सांध्य दैनिक
# 4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 282 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 20 नवम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

पतंगें हवा के विपरीत सबसे अधिक उंचाई छूती हैं। उसके साथ नहीं।
-विंस्टन चर्चिल

भारत की दृष्टिबाधित टी20 टीम नहीं... 7 | मप्र में बड़े नेताओं की खींचतान से... 3 | भाजपा सिर्फ जुमलेबाजी के नारे... 2

# यूपी में भारी बवाल के बीच तेज मतदान

## महाराष्ट्र व झारखंड में जमकर पड़े वोट

## दिग्गज नेताओं ने लोगों से की वोट की अपील

### » सपा ने लगाया भाजपा पर धांधली का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में 36 जिलों की 288 सीटों, झारखंड में दूसरे चरण के 38 सीटों व यूपी समेत चार राज्यों में विधानसभा चुनाव में वोटिंग हो रही है। सुबह धीरे-धीरे शुरू हुई वोटिंग दोपहर होते-होते तेजी में आ गई। इन चुनावों में करोड़ो वोटर एकनाथ शिंदे, हेमंत सोरेन, योगी, उद्धव व शरद पवार जैसे दिग्गजों की ताकत का फैसला करेंगे।

जहां महाराष्ट्र में महायुति व महाविकास अघाड़ी वहीं झारखंड में इंडिया गठबंधन व एनडीए में कड़ी टक्कर है। उधर यूपी में नौ विधानसभा पर उपचुनाव में मतदान हो रहा है। इसमें सपा व भाजपा में सीधा मुकाबला है। उधर यूपी में उपचुनावों के दौरान भारी बवाल की खबरें आ रहीं है। जहां कानपुर के शीशामऊ, मुरादाबाद के कुंदरकी व मुज्जफरनगर के मीरापुर में वोटिंग के दौरान पथराव की सूचना है।

### यूपी में पुलिसकर्मियों को निलंबित करने का आदेश

सूत्रों के अनुसार निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं की जांच करने और उन्हें मतदान करने से रोकने संबंधी दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने के आरोप में कुछ पुलिसकर्मियों को निलंबित करने का आदेश दिया है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने उप्र निर्वाचन अधिकारियों को निष्पक्ष और सुचारू मतदान प्रक्रिया सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

### तीन अन्य राज्यों में भी वोटिंग

विधान सभा की खाली हुई उत्तर प्रदेश समेत चार राज्यों की 15 विधानसभा सीटों पर आज मतदान हो रहा है। यूपी के साथ ही उत्तराखंड (एक सीट), पंजाब (चार सीट) और केरल (एक सीट) में उपचुनाव कराए जा रहे हैं। इसके साथ ही महाराष्ट्र की नांदेड़ लोकसभा सीट पर लोग अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर रहे हैं।

### करहल में वोट देने से इनकार करने पर युवती की हत्या

करहल में मतदान के बीच एक युवती की हत्या हुई है, पुलिस ने हत्या करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। परिजनों का आरोप है कि समाजवादी पार्टी को वोट देने से इनकार करने पर युवती को मौत के घाटा उतारा है। वहीं परिजनों का कहना है कि रेप करने के बाद हत्या की गई है, मोहल्ला जाटवन इलाके में बंद बोरे में शव मिला है।

## ये डर रहे इनका सिंघासन हिल रहा है : अखिलेश

### » बोले- गड़बड़ी की आशंका हो तो वीडियो बना लें वोटर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि एक बार नहीं कई बार जाएं और वोट डाल कर आएं, डट रहें, पुलिस कहीं भी वोट डालने से मना नहीं कर सकती, ये बेईमानी कर रहें हैं, दिल्ली और इनके डिप्टी दोनों इनके खिलाफ हैं, ये डर रहें क्योंकि इनका सिंघासन हिल गया है। इस चुनाव का परिणाम तो हमारे ही हिस्से में आएगा लेकिन न्यायालय ऐसी अधिकारियों को नहीं छोड़ेंगे जो बेईमानी कर रहें हैं, उनकी नौकरी उनका सम्मान सब छीन जायेगा। इनकी जिंदगी बर्बाद कर दी जाएगी। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि सपा कार्यकर्ताओं को वोट डालने से रोका जा रहा है। गड़बड़ी की आशंका हो तो वीडियो बना लें, पुलिस आपकी आईडी चेक नहीं कर सकती है। अलग-अलग जगह से शिकायतें मिल रही हैं। सपा की सरकाई आई तो बेईमान अधिकारियों पर कार्रवाई होगी, बीजेपी बेईमानी पर उतर आई है। सपा कार्यकर्ता बेईमान अधिकारियों की पहचान कर रहे हैं। अखिलेश यादव ने ने कहा कि बीजेपी ये चुनाव वोट से नहीं खोट से जीतना चाहती है, बीजेपी बेईमानी के लिए प्रशासन पर दवाब बना रही है।

### 1 बजे तक वोटिंग

झारखंड में 47.92 प्रतिशत

महाराष्ट्र में 32.18 प्रतिशत

उत्तर प्रदेश में 37 प्रतिशत

### ठाकरे परिवार ने डाला वोट, लोगों से किया महाराष्ट्र के स्वाभिमान की रक्षा का आह्वान

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बुधवार को मुंबई में अपना वोट डाला और लोगों से 'महाराष्ट्र के स्वाभिमान की रक्षा' के लिए बड़ी संख्या में मताधिकार का प्रयोग करने का आग्रह किया। ठाकरे ने अपनी पत्नी रश्मी और बेटों आदित्य एवं तेजस के साथ बांद्रा पूर्व में वोट डाला। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, "बड़ी संख्या में मतदान करें और महाराष्ट्र के स्वाभिमान की रक्षा करें।" ठाकरे के भतीजे वरुण सरदेसाई बांद्रा पूर्व विधानसभा क्षेत्र से मैदान में हैं। यह पहली बार है कि उद्धव ठाकरे और उनके परिवार के सदस्य अपने रिश्तेदार के लिए मतदान कर रहे हैं। आदित्य ठाकरे शहर की वर्ली सीट से फिर से चुनाव जीतने की कोशिश कर रहे हैं जहां से वह फिलहाल विधायक हैं।

### झारखंड में 38 विधानसभा सीटों पर वोटिंग

झारखंड में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान बुधवार को हो रहा है। दूसरे दौर में प्रदेश के 12 जिलों की 38 विधानसभा सीटों पर वोटिंग हो रही है। 1 बजे तक के आंकड़े के अनुसार 38 सीटों पर 47.92 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। दूसरे चरण में बुधवार को जहां चुनाव हो रहा है, वहां 2019 में 66.94 प्रतिशत मतदान हुआ था। दूसरे चरण के मतदान के साथ ही इस चुनाव में उतरे सभी 1211 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हो जाएगी। सबसे ज्यादा धनबाद और गिरिडीह जिले की छह-छह सीटें हैं, जहां बुधवार को मतदान हो रहा है। वहीं सबसे कम हजारीबाग और रामगढ़ जिले की एक-एक सीट पर वोटिंग हो रही है।

### महाराष्ट्र में 36 जिलों की 288 सीटों पर मतदान

महाराष्ट्र में आज (बुधवार) विधानसभा चुनाव 2024 के लिए मतदान हो रहा है। राज्य के 36 जिलों की सभी 288 विधानसभा सीटों पर सुबह से वोटिंग हो रही है। दोपहर एक बजे तक के आंकड़े के अनुसार सभी जिलों में कुल 32.18 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। महाराष्ट्र चुनाव में 9.70 करोड़ से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए पात्र हैं। इनमें से 5.00 करोड़ पुरुष, 4.69 करोड़ महिलाएं और 6,101 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। बुधवार को मतदान खत्म होने के साथ ही इस चुनाव में उतरे सभी 4,136 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हो जाएगी।

# भाजपा सिर्फ जुमलेबाजी के नारे देती है : किशोरी लाल

## अमेठी सांसद बोले- इंडिया गठबंधन आगे, वोट नहीं बंटेगा तो कहीं नहीं दिखेगी बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। अमेठी के स्थानीय कांग्रेस सांसद किशोरी लाल शर्मा ने भाजपा पर जोरदार हमला करते हुए कहा कि वोट बंटेगा नहीं तो बीजेपी कहीं दिखेगी नहीं। उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी अच्छी स्थिति में हैं। उन्होंने भाजपा को निशाने पर लेते हुए कहा कि चुनाव के दौरान सिर्फ जुमलेबाजी के नारे दिए जाते हैं। आज बेरोजगारी, महंगाई, किसानों, मजदूरों और नौजवानों पर बात नहीं हो रही है। वायनाड में वोटिंग परसेंट भले ही कम हुआ हो लेकिन लीड हमारी सबसे अधिक होगी।

झारखंड में हमारा गठबंधन बेहतर प्रदर्शन करेगा। उपचुनाव को सामान्य चुनाव से नहीं जोड़ना चाहिए। उन्होंने झांसी में हुई घटना को दुखद बताते हुए कहा कि यह बड़ी लापरवाही है। अगर वहां शार्ट सर्किट से घटना हुई है तो अग्निशमन यंत्र और स्प्रिंकलर होने चाहिए थे। इस घटना की उच्चस्तरीय जांच के साथ दोषियों पर कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने होने वाली दिशा की बैठक पर कहा कि बैठक में पिछली

कार्रवाई की समीक्षा होगी और नए प्रस्तावों पर विचार होंगे। साथ ही बैठक में डीएपी का भी मुद्दा उठाया जाएगा। कहा कि संजय गांधी अस्पताल जिले के साथ अन्य जनपदों के मरीजों को बेहतर सेवाएं दे रहा है। यहां पर अन्य सुविधाओं को बढ़ाने के साथ ही मेडिकल कॉलेज बनाने को लेकर प्रयास किए जा रहे हैं। उनकी ओर से जो सहयोग होगा, वह करने का प्रयास करेंगे।

### डीएपी नेपाल तो नहीं जा रही जांच कराए सरकार

सांसद ने जिले में डीएपी की समस्या को लेकर कहा कि अमेठी, रायबरेली और सुल्तानपुर जनपद के डीएम को डीएपी की उपलब्धता के संबंध में पत्र लिखा था लेकिन अधिकारियों ने मांग के अनुरूप जिले में डीएपी उपलब्ध होने की रिपोर्ट दी है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर डीएपी उपलब्ध है तो किसान कतार में क्यों हैं, कहीं डीएपी नेपाल तो नहीं जा रही है, जैसे पहले हो चुका है। कहा कि इसका जवाब ब्यूरोक्रेसी को देना चाहिए। इसकी जांच होनी चाहिए।

### इंदिरा गांधी ने भारत को एक अखंड सशक्त और मजबूत देश बनाया

गौरीगंज के सेंमुई स्थित शिवमंगल तिवारी बालिका इंटर कॉलेज में आयोजित वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि स्थानीय सांसद किशोरी लाल शर्मा शामिल हुए। उन्होंने ने दीप जला कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सांसद ने कहा कि देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री आयरन लेडी स्व. इंदिरा गांधी की भारत को एक अखंड सशक्त और मजबूत भारत बनाने में अग्रणी भूमिका रही है।

# कठपुतली बन जाएं किसी की, इतनी खुदगर्जी भी अच्छी नहीं : अखिलेश

» सपा अध्यक्ष ने शेरो-शायरी से आयोग को दिया जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शेरो-शायरी के जरिये चुनाव आयोग पर निशाना साधा है। साथ ही उससे निष्पक्ष चुनाव कराने की अपेक्षा की है। अखिलेश ने एक्स के जरिये कहा है-कठपुतली बन जाएं, किसी की, इतनी खुदगर्जी भी अच्छी नहीं।

आईना मुंह मोड़ ले तुम्हें देख के, इतनी भी बे-जमीरी अच्छी नहीं। जब बने हो तुम हक के पहरेदार, तो सरेआम हकमारी अच्छी नहीं। अवाम को है तुमसे उम्मीदें बहुत, यूं तख्तों की वफादारी अच्छी नहीं। वक्त रहते सुन लो दिल की आवाज, यूं खुद से की गई गद्दारी अच्छी नहीं। जब मौका है, दुआओं को पाने का, यूं बद्दुआओं की कमाई अच्छी नहीं। यहां बता दें कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने भी लोकसभा चुनाव से पहले ईवीएम पर उठ रहे सवालों का शायराना अंदाज में जवाब दिया था। उसी तर्ज पर अखिलेश ने भी अब जवाब दिया है।

### मतदाता की पहचान करना पुलिस का काम नहीं : आयोग

मतदान के दिन मतदाताओं के पहचान का काम पुलिस कर्मी नहीं कर सकेंगे। इसके लिए प्रदेश के अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी चंद्रशेखर ने उपचुनाव से संबंधित सभी पुलिस आयुक्तों व अधीक्षकों और जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीएम) को जरूरी निर्देश जारी कर दिए हैं। आयोग की ओर से अधिकारियों को जारी पत्र में कहा गया है कि समाजवादी पार्टी ने मतदाताओं की पहचान पुलिस बल द्वारा न किए जाने के संबंध में अनुरोध किया है। इस संबंध में अवगत कराना है कि मतदान के दिन मतदाताओं की पहचान पीठासीन अधिकारी और उनकी टीम ही करती है।

### सपा ने छह पन्नों की लिखी थी चिट्ठी

समाजवादी पार्टी ने छह पन्नों की एक चिट्ठी लिखकर चुनाव आयोग से कहा था कि उत्तर प्रदेश में मतदान के दिन यानि 20 नवंबर को पुलिस को मतदाताओं यानि वोटरों के आई कार्ड जांचने की अनुमति न दी जाए। समाजवादी पार्टी ने इस चिट्ठी में आरोप लगाया है कि आई कार्ड जांचने के बहाने पुलिस सपा समर्थक मतदाताओं को प्रभावित करने का काम कर रही है। सपा ने लिखा कि लोकसभा चुनाव के दौरान इसी तर्ज पर पुलिस ने मुस्लिम महिला मतदाताओं की पहचान के नाम पर नकाब हटवाए थे। करहल में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की शिकायत भी समाजवादी पार्टी ने की है।

# मणिपुर के दोषियों को जल्द पकड़ा जाएगा : बीरेन सिंह

» कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम पर भड़के मणिपुर के मुख्यमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर में लंबे समय से हिंसा चल रही थी लेकिन लोकसभा चुनाव के बाद ये हिंसा कुछ समय से शांत थी। कुछ रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में संवेदनशील जगहों से भी सुरक्षा बलों को हटाने की प्रक्रिया शुरू हो गयी थी लेकिन पिछले काफी समय से फिर से हिंसा ने अपना सिर उठा लिया है। राज्य का माहौल तब खराब हो गया जब 6 मासूमों की हत्या की खबर सामने आयी थी। जिसके बाद हिंसा का नया दौर शुरू हो गया।

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने राज्य में हिंसा के नए चक्र को फिर से शुरू करने के लिए कुछ निहित स्वार्थों को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा कि पिछले तीन-चार महीनों से राज्य अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण था। उन्होंने कांग्रेस नेता पी चिदंबरम की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने मौजूदा संकट पैदा किया है। सिंह का यह सीधा हमला चिदंबरम द्वारा एक्स पर एक पोस्ट में यह सुझाव दिए जाने के कुछ घंटों बाद आया कि मैतेई, कुकी-जो और नागा एक राज्य में तभी साथ रह सकते हैं, जब उनके पास वास्तविक क्षेत्रीय स्वायत्तता हो।, और उन्होंने संकट पैदा करने के लिए मुख्यमंत्री को दोषी ठहराया।

### मणिपुर कांग्रेस के अनुरोध पर चिदंबरम ने पोस्ट को हटाया

हालांकि मणिपुर में अस्थिर स्थिति के बीच मणिपुर कांग्रेस प्रमुख केशम मेघचंद्र द्वारा पोस्ट को हटाने के अनुरोध के बाद चिदंबरम ने पोस्ट को हटा दिया। मेघचंद्र ने चिदंबरम को जवाब देते हुए कहा, कृपया इस पोस्ट को हटा दें। मणिपुर में उथल-पुथल की स्थिति है। यह बहुत संवेदनशील है। ऐसा लगता है कि कांग्रेस सांसद ने इस अनुरोध को स्वीकार कर लिया है, क्योंकि यह पोस्ट अब उनकी टाइमलाइन पर नहीं है। कांग्रेस नेता और मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री ओ इबोबी सिंह ने इंफाल में संवाददाताओं से कहा कि श्री चिदंबरम की टिप्पणी उनकी निजी टिप्पणी है और यह पार्टी के रुख को नहीं दर्शाती है।

# 'विपक्ष कुछ नहीं कहेगा तो कैसे रहेगा जीवित'

## फारूक अब्दुल्ला बोले- हमारे वादे स्पष्ट हैं, हम उन पर कायम हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने पार्टी के घोषणापत्र में किए गए वादों को लेकर विपक्ष की आलोचना और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा धारा 370 पर दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया दी। फारूक अब्दुल्ला ने कहा जो हमने कहा है, वह स्पष्ट है और हम उसे लागू कर रहे हैं, हम अपने बयान पर खड़े हैं। अगर विपक्ष कुछ नहीं कहता, तो वे कैसे जीवित रहेंगे?

उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी हमेशा अपनी बातों पर कायम रही है और किसी भी प्रकार के दबाव में नहीं आई है। फारूक अब्दुल्ला का यह बयान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के उस बयान के संदर्भ में आया, जिसमें उन्होंने धारा 370 को लेकर विपक्ष की स्थिति पर सवाल उठाए थे। कांग्रेस और विपक्ष को अपनी रणनीतियों पर पुनर्विचार करना चाहिए, क्योंकि उनका खामोश रहना केवल उनकी कमजोरी को दिखाता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी हमेशा अपनी प्रतिज्ञाएं पर दृढ़ रहती है और जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को लेकर अपनी स्थिति को स्पष्ट किया है। फारूक अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के लोगों को आश्वासन दिया कि उनकी पार्टी राज्य के अधिकारों और संवैधानिक सुरक्षा के लिए हमेशा संघर्ष करेगी।

### महबूबा ने अपने तीन विधायकों की प्रशंसा की

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने संविधान के अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाने का मुद्दा जम्मू-कश्मीर विधानसभा के पहले सत्र के दौरान उठाने के लिए पार्टी के तीन विधायकों की सराहना की। महबूबा की अध्यक्षता में हुई एक बैठक के बाद पीडीपी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के अपने आधिकारिक हैंडल पर जारी पोस्ट में कहा, ''पार्टी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने श्रीनगर स्थित पार्टी मुख्यालय में पीडीपी विधायकों के प्रयासों की सराहना की। पीडीपी अध्यक्ष ने कहा,''ये चुनाव जम्मू-कश्मीर की पहचान और सम्मान की रक्षा के लिए थे। हमारे विधायकों ने अनुच्छेद 370 और 35ए को एकतरफा तरीके से हटाए जाने पर लोगों की गहरी चिंताओं को उठाया है। हमारे अधिकारों के लिए लड़ाई विधायिका और जनता के बीच जारी है। इस बैठक में पार्टी के तीन विधायकों वहीद पारा, रफीक नाइक और मीर मोहम्मद फैयाज के अलावा नईम अख्तर, अब्दुल रहमान वीरू, गुलाम नबी लोन, खुर्शीद आलम, बशारत बुखारी, आसिया नकाश और जहूर मीर जैसे वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

# कुमारस्वामी पर टिप्पणी कर बुरे फंसे जमीर अहमद, होगी कार्रवाई

## कांग्रेस ने अनुशासनात्मक कार्रवाई के दिए संकेत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलुरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने संकेत दिया कि केंद्रीय मंत्री और जद (एस) नेता एचडी कुमारस्वामी के बारे में विवादास्पद टिप्पणी के बाद राज्य कांग्रेस मंत्री बीजेड ज़मीर अहमद खान के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर सकती है।

खान ने कुमारस्वामी को कालिया कहा था, इस टिप्पणी की एनडीए ने नस्लवादी गाली के रूप में आलोचना की और व्यापक रूप से निंदा की। चन्नापटना उपचुनाव के प्रचार के दौरान की गई इस टिप्पणी के बाद कांग्रेस पदाधिकारियों ने सख्त अनुशासनात्मक कदम उठाने की मांग की है। परमेश्वर ने संवाददाताओं से कहा कि हमारे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने उपचुनाव के बाद कहा कि खान के बयान का चुनाव पर असर पड़ा। उन्होंने कहा कि राज्यसभा के पूर्व उपसभापति के रहमान खान के नेतृत्व वाली पार्टी की अनुशासन समिति शिवकुमार द्वारा भेजे जाने पर इस मामले को उठा सकती है। परमेश्वर ने कहा कि अगर समिति को मामला गंभीर लगता है, तो वे उनके खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश कर सकते हैं।

# मप्र में बड़े नेताओं की खींचतान से सब हैरान!

## शिवराज और सिंधिया का सीएम रख रहे हैं ध्यान

» सीएम को दिल्ली का साथ
» कांग्रेस में मचा है पुराने नेताओं से घमासान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मध्यप्रदेश। मध्यप्रदेश में राजनीति में स्थानीय छत्रपों का प्रभाव पहले भी था आज भी है। भाजपा में शिवराज, सिंधिया व कांग्रेस में कमलनाथ व दिग्विजय का जलवा आज भी बरकार है। बीजेपी में सीएम मोहन यादव का भाजपा धीरे-धीरे रुतबा बढ़ता जा रहा। तो वहीं कांग्रेस में जीतू पटवारी का कद बढ़ रहा है। मोहन यादव योगी के बाद पार्टी के स्टार प्रचारक बने हुए हैं। मप्र के मुख्यमंत्री महाराष्ट्र व झारखंड जोरशोर से प्रचार कर रहे हैं।

हालांकि उनके कुछ भाषणों से पार्टी को असहज भी होना पड़ रहा है। इसबीच उनके गृहराज्य में भी सियासत गरमाई है। अंदर खाने ये बाते चल रही है कि वह प्रदेश के कुछ नेताओं को छोड़कर किसी की नहीं सुन रहें हैं। इसमें कितनी सच्चाई है ये तो नहीं पता पर कुछ घटनाएं इस ओर इशारा कर रही हैं कि मप्र में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। दरअसल, मध्य प्रदेश की सियासत में इन दिनों एक फार्मूला काम कर रहा है। तमाम क्षत्रपों से घिरे मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को दिल्ली से इशारा कर दिया गया है कि बस, शिवराज सिंह चौहान और ज्योतिरादित्य सिंधिया का ध्यान रखो, वह भी इनके क्षेत्र से जुड़े मामलों में, बाकी में आपको छूट। यादव ने भी इसी गुरु मंत्र का अनुसरण करना शुरू कर दिया है और यही कारण है कि जो उन्हें सुहा रहा है, वही इन दिनों मध्य प्रदेश में देखने को मिल रहा है। कभी प्रदेश की सत्ता में दबदबा रखने वाले क्षत्रप बेचैन हैं और दिक्कत यह है कि दिल्ली की मंशा को भांपते हुए वे चाहते हुए भी तीखे तेवर दिखा नहीं पा रहे हैं।

## इंदौर को लेकर बवाल

प्रदेश के दो बड़े भाजपा नेताओं की खींचतान अब सार्वजनिक हो गई है। मामला भी ऐसा है कि नाराजगी का इजहार अब खुलकर होने लगा है। दरअसल पूरा मामला इंदौर में दबदबे को लेकर है। एक नेता चाहते हैं इंदौर के मामले में सबकुछ उनके मुताबिक हो। शुरुआत में ऐसा हुआ भी, लेकिन धीरे-धीरे दूसरे नेता पर इंदौर का रंग चढ़ने लगा और जल्दी ही समझ आ गया कि जिसके कब्जे में इंदौर, वही मीर। बस, इसी के बाद उन्होंने इंदौर में पांव पसारना शुरू कर दिए तो टकराहट बढ़ी और अब तो स्थिति यह है कि इसी टकराहट के चलते कुछ दिन बाद यदि कोई बड़ी खबर सुनने को मिले तो चौंकिए मत। इंदौर में विजयनगर चौराहे के पास की एक बड़ी बिल्डिंग इन दिनों पूरे प्रदेश में चर्चा का मुद्दा बनी हुई है। इस बिल्डिंग में कुछ ही दिन पहले खुले एक ऑफिस में अलग-अलग कारोबार से जुड़े लोग किसी से मिलने के इंतजार में लाइन लगाकर खड़े रहते हैं। यदि नंबर आ जाए और बातचीत के बाद ठोस आश्वासन मिल जाए तो फिर आपकी बल्ले-बल्ले। इंदौर के रियल इस्टेट कारोबारियों को इस ऑफिस से बहुत ज्यादा उम्मीद है, इसलिए यहां सबसे ज्यादा भीड़ उन्हीं लोगों की रहती है। इनमें भी उन कारोबारियों की संख्या ज्यादा है, जिनके जमीनों से संबंधित मामले बहुत उलझे हुए हैं। खास बात यह है कि ऑफिस खोलने वालों का इंदौर से कभी ज्यादा वास्ता नहीं रहा।

## उपचुनाव के परिणाम पर सबकी नजर

मध्य प्रदेश के कई सीटों पर उपचुनाव हुए है। विजयपुर और बुदनी विधानसभा सीट एक अहम सीट है। उपचुनाव के परिणाम के लिए अब महज 4 दिन का समय शेष रह गया है। 23 नवंबर को बुदनी विधानसभा सीट के वोटों की गणना जिला मुख्यालय सीहोर तो विजयपुर की मतों की गिनती श्योपुर में होगी। इधर दोनों ही सीटों पर बंपर वोटिंग हुई है। ऐसे में राजनीतिक नेता जानकारी लेते हुए वोटों का अनुमान लगाने में जुटे हुए हैं, लेकिन वह किसी नतीजे तक नहीं पहुंच रहे हैं। दरअसल, साल भर पहले विजयपुर में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान बंपर वोटिंग में कांग्रेस विजयी रही थी। बता दें मध्य प्रदेश में चुनावों में 70 प्रतिशत से ज्यादा मतदान होने पर बीजेपी के लिए यह लाभकारी माना जाता है. लेकिन साल भर पहले हुए विधानसभा चुनाव में विजयपुर सीट पर बंपर वोटिंग हुई थी, बावजूद बीजेपी प्रत्याशी रामनिवास रावत ने इस चुनाव में जीत दर्ज की है. अब विजयपुर और बुदनी विधानसभा सीट पर उपचुनाव में भी 70 प्रतिशत से ज्यादा वोटिंग हुई है,ऐसे में अनुमान लगाना मुश्किल हो रहा है कि दोनों ही सीटों पर कांग्रेस जीतेगी या बीजेपी। 13 नवंबर को हुए उपचुनाव के मतदान में बुदनी विधानसभा सीट पर 77.32 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि विजयपुर में 77.85 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया. खास बात यह है कि साल भर पहले 2023 में नवंबर के महीने में प्रदेश में विधानसभा चुनाव संपन्न हुए थे। उस समय बुदनी विधानसभा सीट पर 84.86 प्रतिशत मतदान हुआ था। उपचुनाव में बुदनी मतदान प्रतिशत में 7 प्रतिशत की कमी देखी गई्।

## प्रशासन में चल रही सीएम की मनमानी

मध्य प्रदेश में पिछले दिनों आईएएस अफसरों की बड़ी तबादला सूची जारी हुई। महीनेभर की मशक्कत के बाद जारी हुई इस सूची में मुख्य सचिव अनुराग जैन के प्रशासनिक दबदबे की झलक देखने को मिली। अलग-अलग समीक्षा में बैठकों में वॉर्निंग के बाद भी जो अफसर चेते नहीं, उन्हें मुख्य सचिव उनकी हैसियत दिखाने में भी पीछे नहीं रहे। अनुसूचित जनजाति कल्याण और पशुपालन जैसे बड़े महकमे संभाल रहे ई. रमेश कुमार को इसी का खामियाजा भुगतना पड़ा और विभागीय मंत्रियों से अच्छा तालमेल होने के बावजूद उन्हें दो बड़े विभागों से बेदखल होकर लूप लाइन में जाना पड़ा। इससे इतर कुमार पुरुषोत्तम जैसे काबिल अफसर को अच्छी पदस्थापना भी मिली। माना जा रहा है कि संजय शुक्ला नगरीय प्रशासन और विकास विभाग के प्रमुख सचिव विभाग के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की पसंद के चलते बनाए गए। जब विजयवर्गीय इंदौर के महापौर थे, तब शुक्ला नगर निगम के आयुक्त हुआ करते थे। शुक्ला की गिनती मुख्यमंत्री के पसंदीदा अफसरों में भी होती है। वे जब मुख्यमंत्री सचिवालय में प्रमुख सचिव थे, तब भरत यादव उनके साथ सचिव की भूमिका में थे, दोनों के बीच गजब तालमेल था। यादव के पास नगरीय प्रशासन आयुक्त का भी प्रभार है। अब शुक्ला इसी महकमे के प्रमुख सचिव हो गए हैं। केमिस्ट्री तो यही कहती है कि दोनों का तालमेल यहां भी बना रहेगा, बस इस जोड़ी को विजयवर्गीय की नजर नहीं लगना चाहिए। चर्चा इस बात की है कि क्या मुख्य सचिव की तरह मध्य प्रदेश के नए डीजीपी का फैसला भी दिल्ली से ही होगा। इसी चर्चा ने कुछ उन अफसरों की उम्मीद को भी जगा दिया है, जिन्हें प्रदेश की सत्ता के समीकरण के चलते इस पद की दौड़ से बाहर माना जा रहा था। ऐसे अफसरों ने दिल्ली दरबार में दस्तक दे दी है और वे ये आश्वासन पाने में भी सफल हो गए हैं कि देर हो सकती है, पर अंधेर नहीं। कद्दावर मंत्रियों की नाराजगी के बाद अब इतना तो हो गया है कि मंत्रियों को अपने विभाग में उनके पसंदीदा अफसर मिलने लगे हैं। जिन अफसरों की अपने विभागीय मंत्रियों से पटरी नहीं बैठ रही थी, उन्हें वहां से रवानगी देने का सिलसिला शुरू हो गया है। इसका फायदा उठाने में स्वतंत्र प्रभार वाले राज्यमंत्री भी पीछे नहीं रहे हैं और पिछले दिनों जारी तबादला सूची में इसकी झलक देखने को मिल गई है।

# पटवारी की नई टीम पर भड़के अजय सिंह

कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई में हाल ही में हुए फेरबदल से पार्टी में मतभेद शुरू हो गए हैं। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस की गिरावट के लिए जिम्मेदार नेता अभी भी पार्टी में फैसले ले रहे हैं। दो दिग्गज नेताओं और पूर्व मुख्यमंत्रियों कमलनाथ और दिग्विजय सिंह पर परोक्ष हमला करते हुए, पूर्व सीएम दिवंगत अर्जुन सिंह के बेटे, वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय सिंह ने कहा कि मध्य प्रदेश में पार्टी की गिरावट के लिए जिम्मेदार नेता अभी भी पार्टी में फैसले ले रहे हैं जैसा कि पुनर्गठित पार्टी से संकेत मिलता है( कमलनाथ और दिग्विजय सिंह को मध्य प्रदेश में पुनर्गठित प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) की राज्य कार्यकारिणी में सदस्य बनाया गया है। इस पर अर्जुन सिंह ने कहा कि दो दशक से भी अधिक समय से, वही लोग जो पार्टी में मौजूदा दयनीय स्थिति के लिए जिम्मेदार हैं, वे अभी भी पार्टी में प्रभावशाली हैं। यह कांग्रेस का दुर्भाग्य है। उन्होंने कहा कि नए पीसीसी प्रमुख की नियुक्ति के बाद पार्टी को फिर से संगठित करने में एआईसीसी नेतृत्व को लगभग चार महीने लग गए और उम्मीद थी कि पार्टी में फिर से जान फूंकने के लिए बड़ा बदलाव होगा। इसके साथ ही वरिष्ठ नेता ने कहा कि यह काफी निराशाजनक है कि पिछले दो दशकों में मध्य प्रदेश में पार्टी के आधार को खत्म करने के लिए जिम्मेदार वही लोग अभी भी पार्टी में प्रभावशाली हैं, उन्होंने कहा कि फिर, केवल भगवान ही पार्टी को बचा सकते हैं। पूर्व मंत्री ने कहा कि वह सही मंच पर पार्टी के पुनर्गठन पर अपने विचार रखेंगे। कांग्रेस प्रवक्ता मुकेश नायक ने इस घटनाक्रम को कमतर आंकते हुए कहा कि हम उनसे बात करेंगे। तीन दिन पहले ही अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने मध्य प्रदेश में कांग्रेस का पुनर्गठन किया है। इसके तहत 17 उपाध्यक्ष, 71 महासचिव और 16 कार्यकारी समिति के सदस्यों के साथ एक विशाल पीसीसी निकाय का गठन किया गया है। सूत्रों ने बताया कि कम से कम आधा दर्जन नवनियुक्त उपाध्यक्ष श्री नाथ के खेमे के हैं, जबकि 50 प्रतिशत से अधिक नवनियुक्त महासचिव उनके वफादार हैं। इसी तरह, माना जा रहा है कि पुनर्गठित पीसीसी में कम से कम 17 महासचिव दिग्विजय सिंह के खेमे से हैं, जबकि 19 महासचिव प्रदेश कांग्रेस प्रमुख जीतू पटवारी के खेमे से हैं।

## पटवारी पर कमलनाथ पड़ रहे भारी

तमाम कोशिशों और दिल्ली दरबार में कई दिग्गजों को साधने के बाद भी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की परेशानी कम नहीं हो रही है। ताजा मामला भी कुछ ऐसा ही है। बड़ी मशक्कत के बाद पटवारी लंबी-चौड़ी टीम बनाने में तो सफल हो गए, लेकिन जिनको उन्होंने पदाधिकारी बनाया उनमें से कई ने बनने के बाद से ही कमलनाथ के दरबार में दस्तक देना शुरू कर दिया। उनके जन्मदिन के मौके पर ऐसे कई नेता हाजिरी भरने छिंदवाड़ा पहुंचे और यह कहने से भी नहीं चूके कि साहब, आपके मेहरबानी से ही हमें यह मौका मिला है। है, न ये पटवारी के लिए चिंता की बात। वैसे पटवारी की टीम में शामिल कई नेता उनके ही खिलाफ मुखरता दिखाने में भी पीछे नहीं रह रहे।

## जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

# नेताओं का हो रहा नैतिक पतन!

*नैतिकता की बड़ी-बड़ी बातें करने वाले सत्ता पक्ष के नेता चुनाव के समय ऐसा काम करते हैं कि उनकी कथनी और करनी की कलई खुल जाती है। वर्तमान में महाराष्ट्र व झारखंड में चुनाव चल रहे हैं। अब महाराष्ट्र में वोटिंग के एक दिन पहले वहां पर बीजेपी व उसक सहयोगी शिंदे गुट शिवसेना के नेता वोटरों को रुपये बांटते हुए रंगे हाथ पकड़े गए है। हालांकि जैसे कि होता है नेता पकड़े जाने के बाद एक ही जवाब देते हैं ये मेरा पैसा नहीं है। चुनाव आयोग इसकी जांच करा ले। पर सवाल ये नहीं कि नेता ने पैसे लिए की नहीं लिए या बांटे की नहीं बांटे। प्रश्न यह है कि ऐसा होता ही क्यों हैं। सियासी दलों को समझना चाहिए आप चुनाव जीतने के बाद जब क्षेत्र के लोगों से दूर रहोगे उनका काम नहीं करोगे तो वोटों को खरीदने की कोशिश ही करोगे। पर ये एक गंभीर मसला है चुनाव आयोग को इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। क्योंकि अमीर प्रत्याशियों को तो इसका लाभ मिल जाएगा लेकिन गरीब उम्मीदवार कहां जाएगा और चुनाव कैसे लड़ेगा।*

**सियासी दलों को समझना चाहिए आप चुनाव जीतने के बाद जब क्षेत्र के लोगों से दूर रहोगे उनका काम नहीं करोगे तो वोटों को खरीदने की कोशिश ही करोगे। पर ये एक गंभीर मसला है चुनाव आयोग को इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। क्योंकि अमीर प्रत्याशियों को तो इसका लाभ मिल जाएगा लेकिन गरीब उम्मीदवार कहां जाएगा और चुनाव कैसे लड़ेगा।**

*आयोग व सरकार को प्रत्याशियों को चुनाव लड़ने के लिए एक ऐसे फंड बनाना चाहिए जो निष्पक्ष हो कर धन दे ताकि गलत तरीके न अपनाएं जाएं। बता दे महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए मतदान से एक दिन पहले विरार में हाई वोल्टेज ड्रामा हुआ, जब बीजेपी नेता विनोद तावड़े की मौजूदगी में बीवीए और बीजेपी कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। बीजेपी के महासचिव तावड़े पर प्रतिद्वंद्वी बीवीए ने वोट के बदले नकदी बांटने का आरोप लगाया है। बीजेपी और बीवीए कार्यकर्ताओं के बीच हुए हंगामे का वीडियो इंटरनेट पर सामने आया है। बीवीए नेताओं का आरोप है कि बैठक में विनोद तावड़े बीजेपी कार्यकर्ताओं को 5 करोड़ रुपये बांट रहे थे। नेताओं का दावा है कि पुलिस को एक डायरी मिली है जिसमें पैसे बांटने की नोटिंग है। हालांकि उन्होंने पैसे बांटने की बात से इंकार किया है। यह एक घटना नहीं हैं महाराष्ट्र में दूसरी घटना भी सामने आई जिसमें एक होटल में शिंदे गुट के एक नेता के कमरे से दो करोड़ रुपये मिले हैं। चुनाव आयोग ने 2 करोड़ की रकम बरामद की है। जानकारी के मुताबिक जिस कमरे से ये रकम मिली उसमें एकनाथ शिंदे गुट के नेता जयंत साठे ठहरे हुए थे। नालासोपारा निर्वाचन क्षेत्र, जिसका प्रतिनिधित्व वर्तमान में बीवीए विधायक क्षितिज ठाकुर कर रहे हैं, में भाजपा के राजन नाइक और कांग्रेस के संदीप पांडे के बीच मुकाबला है। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि उन्होंने तावड़े को उपस्थित लोगों को पैसे बांटते हुए देखा। कुल मिलाकर ऐसी घटनाएं हर बार चुनाव में होती हैं अब इस पर ठोस व्यवस्था करने की जरूरत हैं।*

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# श्रमिकों का कृषि की ओर बढ़ता रुझान

देविंदर शर्मा

शहरों में जाकर काम करने वाले भारत के लोग बड़ी संख्या में अपने गांवों की ओर लौट रहे हैं। ग्रामीण अंचलों के श्रमिकों को 'कम मुनाफादायक' कृषि से शहरी केंद्रों में बेहतर रोजगार के अवसरों की तलाश में धकेलने वाली नीति-समर्थित चाल पिछले पांच सालों में उलट गई लगती है। रिवर्स माइग्रेशन (गांवों की और वापसी) में तेजी का संकेत सबसे पहले कोविड-19 महामारी के दौरान मिला, जब लाखों शहरी गरीबों ने लंबी दूरी तय की, ज्यादातर पैदल -जिसे विभाजन के दिनों के बाद लोगों के सबसे बड़े आवागमन के रूप में देखा गया। इस अभूतपूर्व अंतर-राज्यीय या फिर राज्य के भीतर ही हुए स्थानांतरण को पहले अस्थायी माना गया था, लेकिन इस उम्मीद को धता बताते हुए कि महामारी खत्म होने के बाद कार्यबल शहरों में वापस लौट आएगा, अधिकांश प्रवासियों ने अपने मूल स्थान पर ही रहना चुना।

राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण और आवधिक श्रम बल सर्वेक्षणों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन और नई दिल्ली स्थित मानव विकास संस्थान ने एक रिपोर्ट में पहली बार कृषि संबंधी रोजगार में लगे लोगों की संख्या में वृद्धि पर मुहर लगाई है। आम धारणा के विपरीत, अनुमान है कि 2020 और 2022 के बीच ग्रामीण कार्यबल में 5.6 करोड़ श्रमिक जुड़े। इससे पता चलता है कि बेरोजगारी के साथ विकास के आलम में, शहरों में उपलब्ध रोजगार अवसर प्रवासियों के लिए अब आकर्षक नहीं रहे। चाहे यह मेन्युफेक्चरिंग क्षेत्र में बनी मंदी की वजह से हो या निर्माण क्षेत्र की नौकरियों में गिरावट की वजह से, प्रवासियों ने गांव वापसी करना बेहतर समझा। अलबत्ता, इसके बाद सावधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) 2023-24 ने आर्थिक डिजाइन के अनुसार जनसंख्या परिवर्तन में उलटफेर दिखाया- जो कृषि कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा खेती से दूर चले जाने को लेकर था। रोचक है कि 2004-05 और 2018-19 के 13 साल में 6.6 करोड़ कृषि कार्यबल ने शहरों में छोटे-मोटे रोजगार की तलाश में पलायन किया था लेकिन जेएनयू के अर्थशास्त्री हिमांशु के मुताबिक, अगले पांच सालों (2018-19 से 2023-24) के बीच 6.8 करोड़ लोगों की गांव वापसी हुई।

ऐसा नहीं है कि कृषि अचानक से लाभदायक हो गई, लेकिन जिस प्रकार रिवर्स माइग्रेशन की दर ने आर्थिक नीति

के आधार पर संरचनात्मक परिवर्तन करवाने के अपेक्षित फायदों को उलट दिया है, उसने दिखा दिया है कि लोगों को खेती छुड़वाने वाली रणनीति व्यवहार्य नहीं थी। पीएलएफएस सर्वेक्षण रिपोर्ट से पता चलता है कि ग्रामीण कार्यबल में कृषि क्षेत्र का हिस्सा 2018-19 में 42.5 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 46.1 प्रतिशत हुआ है, जोकि खेती में फिर से जुड़ा कुल आंकड़ा है- और इसमें युवाओं की बड़ी संख्या है -इससे जो संदेश मिलता है उसे अब और अधिक नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जबकि लोकप्रिय आर्थिक सोच एक दोषपूर्ण प्रारूप पर आधारित है, जिसने लोगों को इस क्षेत्र से बाहर करने की चाह से सालों तक कृषि को जानबूझकर घाटे का व्यवसाय बनाए रखा ताकि मजबूर होकर शहरों की और पलायन हो। दिल्ली की सीमाओं पर साल भर चले आंदोलन के बाद कृषकों के प्रदर्शनों में बड़ी संख्या, उचित आय से महरूम रखने के विरुद्ध उनका रोष दर्शाती है। यह साल 1996 था जब विश्व बैंक ने चाहा था कि भारत के 40 करोड़ लोगों को कृषि क्षेत्र से बाहर निकाला जाना चाहिए-जोकि ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी की संयुक्त आबादी के दोगुने के बराबर है -ताकि उन्हें शहरों की ओर पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़े और वहां श्रमबल उपलब्ध हो। जबकि पलायन में सहायक बनने वाली स्थितियां बनाने के बजाय खेती को व्यवहार्य उद्यम बनाकर कृषि के पुनर्निर्माण पर जोर दिया जाना चाहिए था। यही महात्मा गांधी चाहते थे, और जिस दर से प्रवासी वापस लौटे हैं, उससे पता चलता है कि वे कितने सही थे। इसलिए, अब समय है कि विश्व बैंक की उक्त नीति को खारिज कर कृषि को पुनर्जीवित करने और खेती को एक टिकाऊ, व्यवहार्य और लाभकारी उद्यम बनाने पर फोकस किया जाए।

अगर आप अभी भी आश्वस्त नहीं हैं, तो हाल ही में जारी राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड की अखिल भारतीय ग्रामीण वित्तीय समावेशन सर्वेक्षण 2021-22 की रिपोर्ट देखें। इसके अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में कृषि में लगी आबादी का हिस्सा काफी बढ़ गया है। साल 2016-17 में 48 प्रतिशत से 2023-24 में 57 फीसदी के उच्च स्तर तक, कृषि परिवारों की संख्या में भारी उछाल स्पष्ट रूप से मूल निवास पर वापसी की ओर इशारा करता है। पंजाब को छोड़कर, जहां कृषि में लगे परिवारों की हिस्सेदारी 2016-17 में 42 प्रतिशत से घटकर 2021-22 में 36 प्रतिशत रह गयी, हिमाचल में 70 से 63 प्रतिशत व गुजरात और कर्नाटक में थोड़ी-बहुत वृद्धि है। कुल मिलाकर, कई राज्यों में कृषि में लगे परिवारों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

# ओवर स्पीडिंग पर नियंत्रण से थमेंगे हादसे

मधुरेन्द्र सिन्हा

भारत में हर दिन औसतन 400 लोग सड़क दुर्घटनाओं में काल के गाल में समा जाते हैं। इनमें से औसतन 42 बालक होते हैं और 31 किशोर। कई, समय पर चिकित्सा सुविधा न मिल पाने के कारण घटनास्थल पर ही दम तोड़ देते हैं। मौतों के आंकड़ों को कम करने व दुर्घटनाओं को घटाने और एक जिम्मेदार नीति बनाने के लिए देश में कई आयोग बन चुके हैं, लेकिन फिर भी कुछ खास होता दिख नहीं रहा है। इनकी रिपोर्ट धूल खाती दिख रही है। इस दुखद और भयावह स्थिति को राष्ट्रीय महत्व देकर इसके समाधान का युद्धस्तरीय प्रयास होना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो पा रहा है। इस तरह के हादसों के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें से पहला और सबसे बड़ा कारण है तयशुदा रफ्तार से कहीं ज्यादा रफ्तार से वाहन चलाना। इससे न केवल अपनी जान को खतरा होता है, बल्कि दूसरों की जान भी जोखिम में पड़ जाती है।

लापरवाही सबसे बड़ा कारण है। एक गलती अपने अलावा दूसरों पर भी भारी पड़ सकती है। वाहन सही ढंग से न चलाने के अलावा हेल्मेट न पहनना मौत का कारण बनता है। देश में दुर्घटनाओं में मरने वालों में बिना हेल्मेट के चालकों की संख्या सबसे ज्यादा है। मशीनों का फेल हो जाना या टूटी-फूटी सड़कों का होना भी दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। अंतर्राष्ट्रीय संस्था यूनिसेफ के एक एक्सपर्ट के अनुसार बहुत सारी दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है जैसे कानून का पालन करना तथा दोपहिया वाहन चालकों द्वारा नियमित रूप से हेल्मेट पहनना। अगर वाहन चालक निर्धारित गति से वाहन चलाता है, तो वह दुर्घटनाओं की चपेट में नहीं आता है। ओवर स्पीडिंग जान ले सकती है। दोपहिया सवारों के मामले में यह अक्सर देखा जाता है। यूनिसेफ के मुताबिक, देश में दुर्घटनाओं की संख्या में 10 प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी हो रही है, जो चिंताजनक है।

डब्ल्यूएचओ के विशेषज्ञों के अनुसार भारत की सड़कों पर 30 तरह के वाहन चलते हैं और सभी का अपना तरीका है, और यह सड़कों पर भ्रम पैदा करते हैं। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं में इतने लोगों का बेवजह मरना दुखद तो है, लेकिन इनसे जुड़े विश्वसनीय आंकड़े न होने से ठोस समाधान की दिशा में काम करना मुश्किल है। इस दिशा में कई आयोगों का गठन हुआ ताकि इस दिशा में काम हो सके, लेकिन सरकारों की ओर से कोई खास प्रगति नहीं हुई। ओवर स्पीडिंग के मसले को गंभीरता से देखा जाना चाहिए और उस पर कार्रवाई होनी चाहिए। दरअसल, आज के नौजवान आवेग में आकर काम करते हैं और वाहन तेज रफ्तार से चलाना उन्हें रोमांचित करता है। देश में सबसे ज्यादा लोग ओवर स्पीडिंग के कारण ही मरते हैं, और दुर्घटनाओं में मरने वालों के 72 प्रतिशत के लिए यही जिम्मेदार है। वाहन चालक ट्रैफिक पुलिस की यह चेतावनी भूल जाते हैं— 'स्पीड थ्रिल्स बट किल्स'। हमारा यही रवैया देश को दुनिया के नक्शे में दुर्घटनाओं और मौतों की संख्या में सबसे ऊंचे नंबर पर पहुंचाने के लिए जिम्मेदार है। हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि थोड़ी-सी सावधानियां, जैसे गति सीमा का पालन करना, सीटबेल्ट पहनना और हेल्मेट का सही इस्तेमाल करना, कई जिंदगियों को बचा सकती हैं।

दुनिया भर में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए संयुक्त राष्ट्र और डब्ल्यूएचओ ने एक दशक की योजना के अंतर्गत कई तरह की सिफारिशें की हैं। इसके तहत भारत सरकार ने भी 2030 तक देश में दुर्घटनाओं की संख्या को 50 प्रतिशत तक घटाने की मंशा रखी है। उल्लेखनीय है कि पश्चिमी देशों ने दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों पर काफी हद तक काबू पा लिया है। भारत में दुनिया के कुल 1 प्रतिशत वाहन हैं, जबकि दुर्घटनाओं में उसकी हिस्सेदारी 11 प्रतिशत की है। भारत में कम उम्र के बच्चों और किशोरों की जान अक्सर खतरे में पड़ जाती है। इसमें गलती दोनों पक्षों की होती है, लेकिन एक पीढ़ी समय से पहले ही खत्म हो जाती है। बच्चे और महिलाएं सड़क पार करते वक्त तेज रफ्तार वाहनों के चपेट में आ जाते हैं। इसके लिए वाहन चालकों के साथ-साथ दोपहिया चालकों को भी शिक्षित करने की जरूरत है। गति सीमा से ऊपर वाहन चलाने वालों के लिए हालांकि कठोर आर्थिक दंड है, लेकिन चालक बाज नहीं आते। देश में सिर्फ गति पर नियंत्रण रखने से ही बड़े पैमाने पर दुर्घटनाओं से मुक्ति मिल सकती है। देश में 15 तरह के विभाग हैं जो सड़क सुरक्षा की दिशा में देखते और काम करते हैं, लेकिन कोई खास सफलता नहीं मिल पाई है।

यहां पर रोड सेफ्टी पर बजट की बात भी उठती है। इसके लिए विभिन्न राज्यों में कोई निश्चित बजट नहीं है और न ही कोई योजनाबद्ध तरीके से उसका आवंटन है। हर विभाग के अपने-अपने बजट हैं, जो वे इस पर खर्च करते हैं, जिससे कोई प्रभावी कदम नहीं उठ पाते हैं। अभी बहुत सारे एंबुलेंस और अस्पताल चाहिए ताकि दुर्घटनाओं में घायल को सही समय पर इलाज मिल सके। कुछ राज्यों ने इस दिशा में मुहिम चलाकर इस दिशा में सफलता पाई है। इसमें तेलंगाना और गुजरात ने कई तरह के प्रयोग किए हैं, जिससे मृत्यु दर में कमी भी आई है। तेलंगाना ने इस दिशा में पहल करते हुए पिछले साल 74 लोगों को मरने से बचाया। उन्होंने इसके लिए बच्चों को ट्रैफिक ट्रेनिंग देने जैसे काम किए, जिनका दूरगामी असर पड़ेगा।

# रूखी त्वचा से सर्दियों में इनसे मिलेगी राहत

नवंबर के महीने की शुरुआत के साथ ही सर्दियों ने भी दस्तक दे दी है। सुबह और शाम के वक्त अब हल्की ठंड पड़ने लगी है। ये मौसम हर किसी को पसंद आता है, क्योंकि इसमें गर्मी जा रही होती है। हल्की ठंड में खाने पीने के साथ साथ घूमने में भी मजा आता है। लेकिन सर्दी का ये मौसम अपने साथ कई परेशानी लेकर आता है। दरअसल, सर्दी में ड्राई स्किन के लोगों के चेहरे पर झुर्रियां दिखने लगती है। सर्दी में स्किन के ड्राई होने का सबसे बड़ा कारण स्किन के नीचे मौजूद ग्रंथियों द्वारा सीबम या प्राकृतिक तेल का पर्याप्त मात्रा में उत्पादन नहीं होना है। सीबम के कम उत्पादन होने से ड्राईनेस की समस्या होती है। सर्दी में ड्राई स्किन देखने में बेहद खराब लगती है, साथ ही स्किन में खुजली और जलन की भी शिकायत रहती है। ऐसे में अगर इनका ध्यान अभी से न रखा जाए तो भरी सर्दियों के कई बार तो लोगों की त्वचा फटने लगती है। तो आप इन नुस्खों के इस्तेमाल से आसानी से अपने हाथ-पैरों को मुलायम रख सकते हैं। इन चीजों के इस्तेमाल के लिए आपको रुपये खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

## नारियल का तेल

सर्दियों के मौसम में हर घर में नारियल का तेल उपलब्ध होता है। ऐसे में आप हर रोज रात को सोने से पहले चेहरे और पूरे शरीर पर इसे लगा सकते हैं। नारियल तेल में मौजूद फैटी एसिड त्वचा को गहराई से नमी प्रदान करता है। यह सूजन को कम कर सकता है। घाव भरने को बढ़ावा देता है। एंटीबैक्टीरियल प्रॉपर्टीज होने के कारण कई तरह से स्किन को प्रोटेक्ट करता है। नारियल का तेल एटोपिक डर्मेटाइटिस जैसे रैशेज को रोकने और उसका इलाज करने में मदद कर सकता है। नारियल तेल त्वचा के कोलेजन को बूस्ट करता है यदि कम उम्र में ही आपको एजिंग के लक्षणों से बचे रहना है तो आप नारियल तेल का इस्तेमाल त्वचा पर जरूर करें।

## ग्लिसरीन

ग्लिसरीन बाजार में बेहद कम दामों में मिल जाती है। ये त्वचा की नमी को बनाए रखने में सहायक होती है। इसे गुलाबजल के साथ मिलाकर चेहरे पर लगाएं। यह त्वचा को हाइड्रेट और मुलायम बनाता है। ग्लिसरीन का इस्तेमाल स्किन केयर के लिए सालों से किया जाता रहा है। ग्लिसरीन में मॉइस्चराइजर और ह्यूमिकटेंट गुण होते हैं जो हर तरह की त्वचा को नमी प्रदान करने में मदद करते हैं। ग्लिसरीन स्किन को अंदर से हाइड्रेट करता है और त्वचा के निचले स्तर (डर्मिस) से नमी को ऊपरी स्तर (एपिडर्मिस) तक खींचता है, जिससे त्वचा अंदर से मॉइस्चराइज हो जाती है और स्किन पर चमक बनाए रखने में मदद करती है।

## एलोवेरा जेल

एलोवेरा जेल त्वचा को हाइड्रेट करता है और इसके सूखेपन को दूर करने में मदद करता है। ऐसे में आप हर रोज नहाने के बाद या फिर सोने से पहले इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। दिनभर घर से बाहर रहने पर चेहरा धूल-गंदगी से भर जाता है। ऐसे में रात में सोने से पहले इसकी सफाई बहुत जरूरी है। आप अपने चेहरे को एलोवेरा जेल से क्लीन कर सकते हैं। इसके लिए एक कटोरी में एलोवेरा जेल लें और उसमें कुछ बूंदें नारियल तेल की डालें। इसे मिक्स करके अपने स्किन पर लगाएं और मसाज करें। इससे स्किन की अंदर तक सफाई होती है। स्किन को भरपूर पोषण भी मिलता है। चेहरे पर एलोवेरा जेल लगाकर थोड़ी देर के लिए छोड़ दें। इससे प्राकृतिक निखार मिलता है।

## दूध और शहद

इस मिश्रण के इस्तेमाल से न सिर्फ त्वचा का रूखापन दूर होगा, बल्कि साथ ही में इससे कई अन्य परेशानियां दूर हो सकती हैं। इस्तेमाल के लिए इसका एक पैक बनाकर चेहरे पर 15-20 मिनट तक लगाएं, फिर गुनगुने पानी से धो लें। शहद में मौजूद पोषक तत्व स्किन को दाग-धब्बों, कील-मुहांसों और झुर्रियों से मुकाबला करने में मदद करते हैं। इसे चेहरे पर नियमित लगाने से चेहरे की चमक बढ़ती है। यह स्किन पोर्स को खोलता है, साथ ही चेहरे की स्किन को साफ भी करता है। आप इसे अपनी स्किन केयर रूटीन में शामिल कर सकती हैं।

## हंसना मना है

एक दिन भगवान ने एक आदमी की मेमोरी डिलीट कर दी। फिर उससे पूछा क्या तुम्हें कुछ याद है? आदमी ने अपनी पत्नी का नाम बता दिया। भगवान हंसकर बोले - पूरा सिस्टम फॉर्मेट कर दिया पर वायरस फिर भी रह गया।

प्रेमिका प्रेमी से- क्या तुम मुझे बेहद प्यार करते हो? प्रेमी प्रेमिका से बोला- हां, प्रिये, मैं तुम्हारे लिये जान तक दे सकता हूं। प्रेमिका - जान मत दो , पर कल क्या सौ का एक नोट दोगे? प्रेमी - प्रिये ! प्यार मोहब्बत में पैसे नहीं मांगा करते हैं।

संता ने अपनी गर्लफ्रेंड का नाम ब्लेड से अपने हाथ पर लिखा। थोड़ी देर बाद वह जोर-जोर से रोने लगा। बंता-क्यों रो रहा है? संता- यार स्पेलिंग गलत हो गई!

प्रेमी -प्रेमिका ने जब एक दूसरे को विवाह का वचन दे दिया, प्रेमिका- परन्तु प्रिय , में एक बात मैं पहले साफ कर दूं -मुझे खाना पकाना नहीं आता, प्रेमी- कोई बात नहीं प्रिय , मैं भी पहले ही साफ किये देता हूं , मैं कवि हूं , मेरे घर में पकाने के लिए कुछ है ही नहीं।

पत्नी- आपको मेरी सुंदरता ज्यादा अच्छी लगती है या मेरे संस्कार? पति- मुझे तो तेरी ये मज़ाक करने की आदत बहुत अच्छी लगती है।

## कहानी | बंदर और लकड़ी का खूंटा

एक बार शहर से थोड़ी दूर में एक मंदिर बनाया जा रहा था। उस मंदिर के निर्माण में लकड़ियों का इस्तेमाल किया जा रहा था। लकड़ियों के काम के लिए शहर से कुछ मजदूर आए हुए थे। एक दिन मजदूर लकड़ी चीर रहे थे। सारे मजदूर रोज दोपहर का खाना खाने के लिए शहर जाया करते थे। उस दौरान एक घंटे तक वहां कोई भी नहीं रहता था। एक दिन दोपहर के खाने का समय हुआ, तो सभी जाने लगे। एक मजदूर ने लकड़ी आधी ही चीर थी। इसलिए, वह बीच में लकड़ी का खूंटा फंसा देता है, ताकि दोबारा चीरने के लिए आरी फंसाने में आसानी हो। उनके जाने के कुछ समय बाद बंदरों का एक समूह वहां आया। उसमें एक शरारती बंदर था, जो वहां पड़ी चीजों को उल्टा-पुल्टा करने लगा। बंदरों के सरदार ने सभी को वहां रखी चीजों को छेड़ने से मना किया। कुछ समय बाद सारे बंदर पेड़ों की तरफ वापस जाने लगे, तो वह शरारती बंदर सबसे बचकर पीछे रह जाता है और शरारत करते-करते उसकी नजर उस अधचिरे लकड़ी पर पड़ती है, खूंटे को देखकर बंदर सोचने लगा कि उस लकड़ी को वहां पर क्यों लगाया है, उसे निकालने पर क्या होगा। फिर वह उस खूंटे को बाहर निकालने के लिए खींचने लगता है। बंदर के अधिक जोर लगाने पर वह खूंटा हिलने और खिसकने लगता है, जिसे देखकर बंदर खुश होता है और जोर लगाकर उस खूंटे को सरकाने लगता है। वह खूंटे को निकालने में इतना मगन हो जाता है कि उसे पता ही नहीं चलता कि कब उसकी पूंछ दोनों पाटों के बीच में आ गई। बंदर पूरी ताकत के साथ खूंटे को खींचकर बाहर निकाल देता है। खूंटा निकलते ही लकड़ी के दोनों भाग चिपक जाते हैं और उसकी पूंछ बीच में फंस जाती है। पूंछ के फंसने पर बंदर दर्द के मारे चिल्लाने लगता है और तभी मजदूर भी वहां पहुंच जाते हैं। उन्हें देखकर बंदर भागने के लिए जोर लगाता है, तो पूंछ टूट जाती है। वह चीखते हुए टूटी पूंछ लेकर भागता हुआ अपने झुंड के पास पहुंच जाता है। वहां पहुंचते ही सभी बंदर उसकी टूटी हुई पूंछ देखकर हंसने लगते हैं।

## 7 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष** नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। विरोध होगा।

**वृषभ** राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश लाभ देगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**मिथुन** किसी व्यक्ति की बातों में न आएं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें।

**कर्क** राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार में वृद्धि होगी। स्त्री वर्ग से समयानुकूल सहायता प्राप्त होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

**सिंह** आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कर्ज समय पर चुका पाएंगे। बैंक-बैलेंस बढ़ेगा। स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। मनपसंद रोजगार मिलेगा।

**कन्या** यात्रा लाभदायक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है।

**तुला** व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। आय में निश्चितता रहेगी। शत्रु शांत रहेंगे। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप की अधिकता का स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा।

**वृश्चिक** थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश से लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेंगे। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी।

**धनु** शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। बिछड़े मित्र व संबंधी मिलेंगे। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार मनोनुकूल चलेगा।

**मकर** व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देगा। बुद्धि का प्रयोग करें।

**कुम्भ** नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान महसूस होगी। आंखों का विशेष ध्यान रखें। चोट व रोग से बचाएं। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

**मीन** रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रमाद न करें। निवेश से लाभ होगा। यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कारोबार से संतुष्टि रहेगी।

कांतारा-2 का धमाकेदार टीजर हुआ रिलीज

# ऋषभ शेट्टी के खूंखार लुक ने दर्शकों के खड़े किये रोंगटे

ऋषभ शेट्टी की कांतारा साल 2022 में आई थी और ये ब्लॉकबस्टर रही थी। फिल्म को मिली सुपर सक्सेस के बाद ऋषभ शेट्टी ने कांतारा 2 की अनाउंसमेंट की थी तब से फैंस इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में ऋषभ शेट्टी ने फिल्म की रिलीज डेट अनाउंस की थी इसके कुछ ही घंटों बाद अब फिल्म का धमाकेदार टीजर भी जारी कर दिया गया है।

'कांतारा 2' के टीजर में साल 2022 की ब्लॉकबस्टर 'कांतारा' के प्रीक्वल की दुनिया की झलक मिलती है। इसे 'कांतारा: चैप्टर 1– ए लीजेंड टाइटल दिया गया है। ये टीजर 82 सेकेंड का है जिसकी शुरुआत इन शब्दों से होती है, वह पल आ गया है, इसके बाद ब्लैक स्क्रीन पर कुछ जलता हुआ दिखाई देता है और फिर बैकग्राउंड में एक धुंधली इमेज में शिव (ऋषभ शेट्टी) को मशाल लेकर जंगल से गुजरते हुए दिखाया गया है।

जैसे ही वह आग से घिर जाता है, एक आवाज़ सुनाई देती है, प्रकाश!
प्रकाश

में सब कुछ दिखाई देता है! लेकिन यह प्रकाश नहीं है! यह एक दर्शन है! एक दृष्टि जो हमें दिखाती है कि कल क्या था, क्या है और क्या होगा! क्या तुम नहीं देख सकते? अंधेरे के बीच शिव का चेहरा भी दिखाई देता है। टीजर से ये भी क्लियर हो गया है कि इस बार कहानी कदंब राजवंश के शासनकाल की होगी।

जैसे ही पूर्णिमा का चंद्रमा एक गुफा पर पड़ता है वैसे ही त्रिशूल लहराता हुआ खून से लथपथ एक शख्स दिखाई देता है। गले में रुद्राक्ष और लंबे, लहराते बालों के साथ ऋषभ शेट्टी का खूंखार लुक दिखाई देता है जो रौंगटे खड़े कर देने वाला है।

'कांतारा' को ऋषभ शेट्टी ने लिखा था और डायरेक्ट भी किया था। 2022 में आई इस फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट एक्टर का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला था। वहीं फिल्म, कंतारा- चैप्टर 1 – ए लीजेंड की रिलीज डेट भी आ गई है। बता दें कि ये फिल्म 2 अक्टूबर, 2025 को गांधी जयंती के मौके पर बड़े पर्दे पर रिलीज होगी।

# अब वरुण धवन के साथ रोमांस करेंगी कीर्ति सुरेश

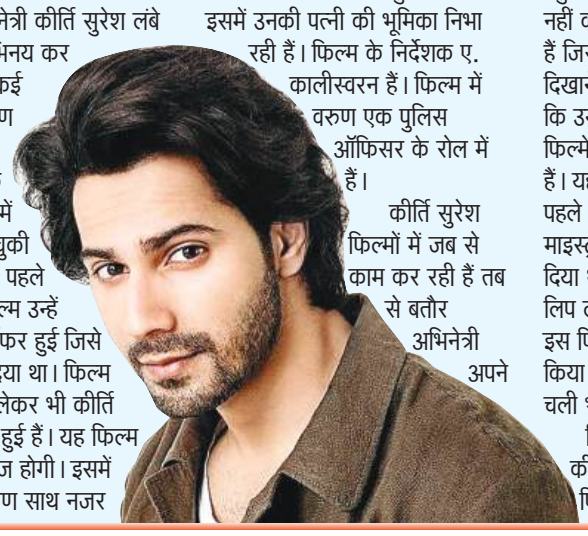

तमिल, तेलुगू और मलयालम भाषाओं की फिल्मों में अभिनेत्री कीर्ति सुरेश लंबे समय से अभिनय कर रही हैं। वह कई बड़े-बड़े दक्षिण भारतीय अभिनेताओं के साथ फिल्मों में रोमांस कर चुकी हैं। कुछ सालों पहले एक बड़ी फिल्म उन्हें ऐसी भी ऑफर हुई जिसे उन्होंने ठुकरा दिया था। फिल्म बेबी जॉन को लेकर भी कीर्ति खबरों में बनी हुई हैं। यह फिल्म जल्द ही रिलीज होगी। इसमें कीर्ति और वरुण साथ नजर आएंगे। कीर्ति वरुण धवन के साथ फिल्म में रोमांस करती हुई दिखेंगी वह इसमें उनकी पत्नी की भूमिका निभा रही हैं। फिल्म के निर्देशक ए. कालीस्वरन हैं। फिल्म में वरुण एक पुलिस ऑफिसर के रोल में हैं।

कीर्ति सुरेश फिल्मों में जब से काम कर रही हैं तब से बतौर अभिनेत्री अपने लिए कुछ नियम तय किए हुए हैं। वह बहुत अधिक ग्लैमरस रोल फिल्मों में नहीं करती हैं। वह ऐसे किरदार चुनती हैं जिसमें उन्हें अपनी अभिनय क्षमता दिखाने का मौका मिले। यही कारण है कि उन्होंने अपने करियर में कई अच्छी फिल्में की और उम्दा किरदार निभाए हैं। यहां तक कि उन्होंने कुछ साल पहले अभिनेता नितिन की फिल्म माइस्ट्रो (2021) को इसलिए ठुकरा दिया था कि क्योंकि इसमें उन्हें एक लिप लॉक यानी किसिंग सीन देना था। इस फिल्म को बाद में तमन्ना भाटिया ने किया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर चली भी थी।

फिल्म बेबी जॉन को लेकर भी कीर्ति खबरों में बनी हुई हैं। यह फिल्म जल्द ही रिलीज होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

# जब मोबाइल बेचकर मैंने चुकाया था होटल का बिल : विक्रांत मैसी

हम सभी ने कभी ना कभी फिल्मों में दिखाए गए खूबसूरत लोकेशन को देखकर वहां जाने का सपना जरूर देखा होता है। फिल्मों में दिखाई गई खूबसूरत लोकेशन कई लोगों को लुभाती हैं। कई फिल्ममेकर जैसे यश चोपड़ा ने भी अपनी फिल्मों में स्विट्जरलैंड की हसीन वादियां दिखाया करते थे, जिन्हें देखकर लोग वहां जाने का सपना देखते थे। फिर समय बदला, और लोगों ने फरहान अख्तर की फिल्म दिल चाहता है देखी जिसमें दोस्तों के साथ गोवा के बीच पर घूमने का ख्वाब देखा गया। कई लोगों में इस फिल्म के बाद से ये इच्छा जागी कि वो अपने दोस्तों के साथ एक बार जरूर गोवा जाएंगे। बॉलीवुड एक्टर विक्रांत मैसी ने भी यही एक ख्वाब देखा जो उन्होंने अपने दोस्तों के साथ पूरा भी किया। विक्रांत एक समय अपने कुछ दोस्तों के साथ गोवा गए थे जिसके बारे में उन्होंने हाल ही में सभी को बताया। उन्होंने बताया कि दोस्तों के साथ गोवा जाने का सपना पूरा जरूर किया था लेकिन इस सपने को पूरा होने में उन्हें काफी मुश्किलों का सामना भी करना पड़ा था। विक्रांत ने बताया कि वो जब पैसे कमाना शुरू कर चुके थे तब उन्होंने अपने दोस्तों के साथ गोवा की एक ट्रिप की थी। लेकिन उनका कहना है कि उनकी ये ट्रिप उतनी आसानी से खत्म नहीं हुई थी जैसा उन्होंने सोचा था। विक्रांत ने बताया, मैं अपने साथ गोवा की ट्रिप पर 5000 रुपए लेकर गया था और मैंने तभी ही कमाना शुरू किया था। मैं उनके साथ एक वॉल्वो बस में गया था। विक्रांत ने आगे बताया, वो हमारी ट्रिप का आखिरी दिन था और उस समय हम लोग अपना सारा खर्चा आपस में बांट लिया करते थे। जैसे अगर हमने 20 रुपए की कोल्ड ड्रिंक खरीदी तो सब 10 रुपए आपस में बांट लिया करते थे। होटल से चैक आउट करते समय हमारे पास जितना पैसा था, हमने वो सब खर्च कर लिया था। हमें होटल का बिल भरना था। मेरे पास एक मोबाइल फोन था। तो मैंने उसे बेचकर होटल का बिल चुकाया और फिर उन पैसों से अपने दोस्तों के लिए मुंबई वापस आने की टिकट खरीदी।

# जहरीले सांपों को जिंदा खा जाता है यह जानवर, नाम जानकर हो जायेंगे हैरान

सांप का नाम सुनते ही कई लोग डर जाते हैं। हर साल देश में सांप के काटने से कई लोगों की मौत जाती है। सांप का जहर न सिर्फ इंसानों को बल्कि बाघ, शेर और हाथी जैसे शक्तिशाली जानवरों को भी मार देता है। ऐसे में गलती से भी हमारी आंखों के सामने सांप आ जाता है, तो सबसे पहले या तो हम वहां से भागते हैं। या फिर उस सांप को मारने की कोशिश करते हैं।

ऐसे में अगर आपसे ये कहा जाए कि धरती पर एक ऐसा भी जानवर है, जो जहरीले सांप को भी जिंदा खा जाता है, तो क्या यकीन करेंगे? शायद नहीं, लेकिन ये बिल्कुल सच है। इतना ही नहीं, अगर इस जानवर की इच्छा सांप खाने की नहीं भी होती है, तब भी इसे जबरदस्ती सांप खिलाया जाता है।

अब आप सोच रहे होंगे कि वो आखिर कौन सा जानवर है, जो जिंदा सांप को भी खा जाता है? ऐसे में बता दें कि वो जानवर ऊंट है। आमतौर पर ऊंट पत्तियां, फल और सब्जियां खाकर जीवित रहते हैं। सांपों को खाना उनके आहार का हिस्सा नहीं है। लेकिन कुछ विशेष परिस्थितियों में ऊंटों को सांप खिलाया जाता है। ऊंट के किसी रोग से संक्रमित होने पर साँपों को भोजन दिया जाता है।

जेहन में यह भी आ रहा होगा कि वो कौन सा रोग है, जिसके निदान के लिए ऊंटों को जबरदस्ती जिंदा सांप खिलाया जाता है? ऐसे में बता दें कि उस बीमारी का नाम हयाम है। इस बीमारी में ऊंट पानी पीना या फिर भोजन करना बंद कर देते हैं। पश्चिम एशियाई देशों में यह माना जाता है कि इस रोग से संक्रमित ऊंटों को सांप खिलाने से बीमारी ठीक हो जाती है। ऐसे में ऊंट का मुंह खोला जाता है और सांप को उसमें डाल दिया जाता है। इसके बाद मुंह के अंदर पानी डाला जाता है। ऐसा माना जाता है कि सांप को खाने से उसका जहर ऊंट के शरीर में फैल जाता है। उस जहर का असर जैसे-जैसे कम होता है, ऊंट की बीमारी भी ठीक होती जाती है। पूरी तरह से जहर खत्म होने के बाद ऊंट बिल्कुल ठीक हो जाते हैं।

अजब-गजब

इतिहास पढ़ा होगा, पर नहीं याद होगा इसका जवाब!

# क्या आपको मालूम है , महात्मा गांधी से पहले भारत के नोट पर किसकी तस्वीर थी?

अमेरिकी नोटों में कई राष्ट्रपतियों और अन्य लोगों के चित्र होते हैं, जबकि यूके के नोटों में राजा या रानी के चित्र होते हैं। भारत में हर नोट पर महात्मा गांधी की तस्वीर होती है। क्या आप जानते हैं कि महात्मा गांधी से पहले भारतीय नोटों पर किसकी तस्वीर थी? चलिए आज हम इसी के बारे में जानेंगे।

भारतीय नोटों के इतिहास में कई बदलाव हुए हैं। क्या आप जानते हैं महात्मा गांधी की तस्वीर से पहले भारत के नोटों पर किसकी तस्वीर होती थी? स्वतंत्रता के बाद, भारतीय सिक्कों ने ब्रिटिश प्रतीकों का स्थान ले लिया और सिंह स्तंभ की छवियों का उपयोग किया। यह भारत की विरासत और सांस्कृतिक पहचान का एक महत्वपूर्ण प्रतीक है।

ब्रिटिश शासन के बाद सरकार ने 1949 में पहली बार नए डिज़ाइन वाले नोट पेश किए। 1969 में पहली बार भारतीय रिजर्व बैंक ने महात्मा गांधी की तस्वीर वाले नोट पेश किए थे। इस नोट पर सेवाग्राम आश्रम के सामने बैठे गांधीजी की तस्वीर थी।

महात्मा गांधी का मुस्कुराता हुआ चेहरा पहली बार 1987 में हर भारतीय नोट पर छपा था। अक्टूबर 1987 में गांधीजी के मुस्कुराते चेहरे के साथ 500 रुपये का नोट छापा गया था। तब से हर नोट पर उनकी छवि दिखाई दे रही है।

महात्मा गांधी के चित्र से पहले, भारतीय नोटों पर ग्रेट ब्रिटेन के किंग जॉर्ज VI का चित्र हुआ करता था। आज़ादी के बाद ब्रिटिश सम्राट की छवि बदलने की योजना थी, लेकिन उस पर अमल बहुत बाद में किया गया। उस समय नोटों में सारनाथ के सिंह स्तंभ की छवि का प्रयोग किया जाता था।

# जनता की राय पर बांटेंगे टिकट : केजरीवाल

## आप ने शुरू की दिल्ली विस चुनाव की तैयारी

### » आप संयोजक बोले- भाई भतीजावाद से दूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों को उनके काम, जीत की संभावना और जनता की राय के आधार पर टिकट दिए जाएंगे। गौरतलब है कि दिल्ली विधानसभा की सभी 70 सीटों के लिए फरवरी 2025 में चुनाव होने हैं। उत्तर-पश्चिम और पश्चिम दिल्ली के आप कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ बैठक में केजरीवाल ने विश्वास जताया कि पार्टी आगामी चुनाव जीतेगी क्योंकि वह सच्चाई के रास्ते पर चली है और उसे भगवान और लोगों का आशीर्वाद प्राप्त है।**

केजरीवाल ने कहा कि मैं किसी भी रिश्तेदार, परिचित या दोस्त को टिकट नहीं दूंगा। कोई भाई-भतीजावाद नहीं होगा। मैं उम्मीदवारों का मूल्यांकन उनके काम, जीतने की संभावना और जनता की राय के आधार पर करूंगा। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से चुनाव के लिए तैयार रहने को कहा, क्योंकि केजरीवाल 70 सीटों में से प्रत्येक पर चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव को धर्म युद्ध करार देते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा इसे हर कीमत पर जीतने की कोशिश कर रही है। आप सरकार द्वारा दिल्ली के लोगों को दी गई मुफ्त सेवाओं और सुविधाओं का हवाला देते हुए केजरीवाल ने कहा कि भाजपा इसे रेवरी (मुफ्त में मिलने वाला सामान) कहती है। उन्होंने मुफ्त बिजली, पानी, महिलाओं के लिए बस यात्रा, बुजुर्गों के लिए तीर्थयात्रा योजना, स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाओं का हवाला देते हुए कहा कि हां, हम छह मुफ्त रेवरियां प्रदान करते हैं जिनकी दिल्लीवासी सराहना करते हैं और मांग करते हैं।

### दिल्ली में 50 फीसदी कर्मचारी घर से करेंगे काम : गोपाल राय

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बुधवार को घोषणा की कि राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए दिल्ली सरकार के कार्यालयों में आधे कर्मचारी घर से काम करेंगे। गोपाल राय ने एक्स पर लिखा, प्रदूषण को कम करने के लिए दिल्ली सरकार ने सरकारी कार्यालयों में घर से काम करने का फैसला किया है। सरकारी कार्यालयों में 50प्रतिशत कर्मचारी घर से काम करेंगे। इस प्रावधान के कार्यान्वयन पर आज बाद में अधिकारियों के साथ बैठक में चर्चा की जाएगी। इससे पहले, दिल्ली सरकार ने अपने कार्यालयों और एमसीडी के लिए अलग-अलग समय पर काम करने का ऐलान किया था। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के कार्यालयों का समय सुबह 8.30 बजे से शाम 5 बजे तक काम होगा और दिल्ली सरकार के कार्यालयों में सुबह 10 बजे से शाम 6.30 बजे तक काम करने का समय तय किया गया था।

# मोहन सरकार में कुत्ते भी असुरक्षित हैं : सदाशिव

### » कांग्रेस ने प्रदर्शन कर भाजपा पर किया हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**इंदौर। मध्य प्रदेश में कांग्रेस के धरना प्रदर्शन पर सियासी बवाल मचा है। दरअसल उपचुनावों में बीजेपी पर धांधली का आरोप लगाकर कांग्रेस ने धरना आयोजित किया था। इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष सदाशिव यादव ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा ने उपचुनाव में लोकतंत्र की हत्या की है और बाबा साहब के संविधान को कुचला है। भाजपा के शासन में महिलाओं, दलितों और आदिवासियों पर अत्याचार बढ़ गए हैं। उन्होंने कहा कि आज मोहन यादव की सरकार में इंसान तो क्या, कुत्ते भी असुरक्षित हैं। इंदौर शहर और जिला कांग्रेस कमेटी ने हाल ही में संपन्न हुए विजयपुर और बुधनी के उपचुनाव में कथित अनियमितताओं और डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा के साथ हुई घटना के विरोध में गीता भवन स्थित अंबेडकर प्रतिमा के पास धरना आयोजित किया।** धरने में शहर कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि आदिवासी और दलित समुदाय के लोगों के साथ मारपीट की गई और भय का माहौल बनाया गया। नेताओं ने यह भी बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने चुनाव आयोग को 100 से अधिक शिकायतें दीं लेकिन किसी पर भी कार्रवाई नहीं हुई। कांग्रेस ने सत्तारूढ़ दल पर सत्ता का दुरुपयोग कर चुनाव में अनियमितता और लोकतंत्र की हत्या कर जबरन जीतने की कोशिश का आरोप लगाया।

### खरगे के बयान से सर्पमित्र हुए नाराज

इंदौर के सर्पमित्रों ने मल्लिकार्जुन खरगे के हलिया बयान पर नाराजगी जाहिर की है। उनका कहना है कि इस तरह की टिप्पणी ने उन्हें आहत किया है, क्योंकि वे वर्षों से सांपों को रेस्क्यू करने और लोगों को वन्य प्राणियों को मारने से बचाने का संदेश देने का काम कर रहे हैं। सर्पमित्रों का मानना है कि कांग्रेस नेता द्वारा जहरीले सांपों को मारने की बात करना गलत है और इससे लोगों में गलत संदेश जाएगा। वे इस मामले को पुलिस प्रशासन और एनिमल राइट्स एक्टिविस्ट मेनका गांधी तक ले जाकर कार्रवाई की मांग करेंगे। सर्पमित्र महेंद्र श्रीवास्तव का कहना है कि शायद कांग्रेस अध्यक्ष को यह जानकारी नहीं है कि सांप के काटने पर समय पर इलाज मिलने से व्यक्ति की जान बच सकती है। सर्पमित्र राजेश जाट ने कहा कि यह बयान विवादास्पद है और लोगों की मानसिकता पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

# जनता अपने हिसाब से वोट डाले तो सभी सीटें जीतेगी सपा: रामगोपाल

### » बोले- लोगों को वोट देने से रोक रहा प्रशासन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव ने कहा कि प्रशासन हमारे लोगों के साथ ठीक नहीं कर रहा है। रामगोपाल ने कहा कि जनता को अपने मन के अनुसार वोट डालने दिया जाएगा तो सारी विधानसभाएं सपा जीतेगी। कुंदरकी में किसी को घर से ही नहीं निकलने दिया जा रहा है, इस तरह रामपुर में था। कहा कि हर जो मर्यादाएं होनी चाहिये प्रशासन की वो भंग हो रही हैं, मैनपुरी के बूथ नंबर 251 पर हमारे लोगों को एजेंट नहीं बनने दिया जा रहा है, पुलिस मूकदर्शक बनी है।**

कहा कि इस बात पर अपने पर आ जाएं तो 70 प्रतिशत जगह बीजेपी के बूथ एजेंट को मारकर भगा दें, लेकिन हम ये नहीं कर सकते हैं, हमारी लोकतंत्र में आस्था है। उन्होंने जीत का दावा करते हुए कहा, ये ओछी मानसिकता है और इसमें अधिकारी भी बह जाते हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज ही नहीं है, कहा कि जिस प्रदेश का सीएम देशभर में अव्यवस्था पैदा करने के लिए कुख्यात हो, उस राज्य में कानून व्यवस्था कैसे अच्छी हो सकती है।

# दोस्तपुर में जाम हुआ आम, लोग बेजान

### » शाहीपुल और ब्लॉक चौराहे पर हाइट बैरियर लगाने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**दोस्तपुर। स्थानीय क़स्बे दोस्तपुर में पिछले कुछ महीनों से सड़कों पर जाम की स्थिति बेहद गंभीर हो गई है। दिनभर सड़क पर गाड़ियों की लंबी कतारें लगना एक सामान्य दृश्य बन चुका है, जिससे न केवल यात्री बल्कि स्थानीय नागरिक भी परेशान हैं। खासकर शाहीपुल से बड़ी गाड़ियों के गुजरने के कारण जाम की समस्या और भी विकट हो गई है, जबकि शाहीपुल के क्षतिग्रस्त होने के बाद से भारी वाहनों का उसपर से गुजरना प्रतिबंधित है लेकिन चोरी चुपके वाहन कस्बे के अंदर चले आते हैं।**

स्थानीय लोगों का कहना है कि शाहीपुल से बड़ी गाड़ियों को बाईपास रूट पर भेजा जाए और दोस्तपुर चौराहे से अकबरपुर रोड की तरफ जाने वाले वाहनों को भी बाईपास रूट से भेजा जाए, तो जाम की समस्या पर काबू पाया जा सकता है। उनका मानना है कि यदि इन वाहनों को मुख्य मार्ग से हटाकर बाईपास पर डाइवर्ट किया जाता है, तो कस्बे के भीतर यातायात व्यवस्था बेहतर हो सकती है और जाम की स्थिति में भी सुधार देखा जा सकता है। इसके अलावा, स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि इसके लिए ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की आवश्यकता होगी ताकि वाहनों को डाइवर्ट किया जा सके। वहीं स्थानीय निवासियों ने मांग की कि शाहीपुल और ब्लॉक चौराहे पर हाइट बैरियर लगाए जाएं जिससे कस्बे के अंदर भारी वाहनों का प्रवेश रोका जा सके।

# भारत की दृष्टिबाधित टी20 टीम नहीं जाएगी पाक

### » 23 नवंबर से तीन दिसंबर तक पाकिस्तान में होना है टी20 विश्वकप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। भारतीय टीम ने दृष्टिबाधित टी20 विश्व कप से नाम वापस ले लिया है। विदेश मंत्रालय ने इस टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान की यात्रा करने की मंजूरी नहीं दी है। टीम को इसके लिए खेल मंत्रालय से एनओसी मिल गई थी, लेकिन वह सरकार से मंजूरी का इंतजार कर रहा था। आईबीसीए के महासचिव शैलेंद्र यादव ने इस बात की पुष्टि है।**

दृष्टिबाधित टी20 विश्वकप का आयोजन 23 नवंबर से तीन दिसंबर तक पाकिस्तान में होना है। यादव ने कहा कि उन्हें सरकार की ओर से आधिकारिक तौर पर मंजूरी नहीं देने का पत्र अभी प्राप्त नहीं हुआ है क्योंकि इस बारे में मौखिक रूप से बताया गया है। हम पाकिस्तान जाने के लिए 25 दिनों से सरकार की मंजूरी का इंतजार कर रहे थे। अब हम ज्यादा इंतजार नहीं कर सकते क्योंकि टूर्नामेंट शुरू ही होने वाला है। जब मैंने विदेश मंत्रालय में बात की तो बताया गया कि हमें पाकिस्तान जाने के लिए मंजूरी नहीं मिलेगी और हमें टूर्नामेंट से नाम वापस लेना होगा। उन्होंने कहा कि इस बारे में आधिकारिक पत्र जल्द ही मिलेगा। हालांकि, हमें अभी तक पत्र नहीं मिला है, लेकिन जो मेरी विदेश मंत्रालय में बात हुई है, उस आधार पर हमने पाकिस्तान नहीं जाने का फैसला किया है और हम दृष्टिबाधित टी20 विश्वकप में हिस्सा भी नहीं लेंगे।

### इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड भी टूर्नामेंट में नहीं लेंगे भाग

भारत के साथ-साथ इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड भी टूर्नामेंट में भाग नहीं लेंगे। यादव ने इस बात पर अफसोस जताया कि खिलाड़ियों की सारी मेहनत बेकार चली जाएगी। यादव ने कहा, हमारे अलावा इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की टीमें भी नहीं आ रही हैं। यह क्रिकेट खेल के लिए थोड़ी दुख की बात है। भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला दोनों टीमों के प्रशंसक देखते हैं और दोनों ही टीमें मजबूत है। अब पाकिस्तान को मुफ्त में वॉकओवर मिल जाएगा और यह खिलाड़ियों के लिए भी दुख की बात है क्योंकि उनकी मेहनत बेकार जाएगी। टीम को 20 नवंबर को निकलना था और मुझे नहीं लगता कि अब कोई चमत्कार होगा।

**चुनावी समर में फिल्मी सितारों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा**

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई जहां पर फिल्म उद्योग का गढ़ है। वहां पर देश के नामी-गिरामी फिल्मी कलाकार रहते हैं। बुधवार को इन कलाकारों ने राज्य विधान सभा चुनावों में जमकर वोटिंग की और अपने कर्तव्य का पालन किया। बड़े सितारों ने लोगों से ज्यादा से ज्यादा वोट डालने की अपील भी की। इन सितारों के साथ क्रिकेटरों, उद्योगपतियों ने भी अपना वोट डाला।

# चुनावी माहौल के बीच महाराष्ट्र में मचा सियासी घमासान

» पूरे देश में कैश कांड व बिटक्वाइन की गूंज

» कांग्रेस-बीजेपी हुए आमने-सामने, जमकर चले आरोपों के तीर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों पर आज मतदान जारी है। इससे पहले राज्य की सियासत में आई उथल-पुथल से जनता के बीच आई है। दरअसल राज्य में चुनाव के एक दिन पहले भाजपा नेता विनोद तावड़े का कैश बांटते वीडियो वायरल होने से जहां बवाल मचा है वहीं शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले पा बिट क्वाइन का पैसा चुनावो में इस्तेमाल करने का आरोप लगाकर बीजेपी महाअघाड़ी पर हमला जारी कर दिया।

इसबीच दोनों गठबंधनों की ओर से इन आरोपों को खारिज कर दिया है। कैश फॉर वोट मामले में कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला किया है। मुख्य आरोप बीजेपी नेता विनोद तावड़े पर है उनपर आरोप लगाया गया है कि वो पैसे देकर वोट खरीद रहे थे। कांग्रेस का कहना है कि यह घटना निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर भी सवाल खड़े करती है। मामले पर कांग्रेस के कई बड़े नेताओं ने बीजेपी को आड़े हाथों लिया है, इस पर राहुल गांधी ने आरोप लगाते हुए कहा कि यह पैसा जनता का है जिसे लूटकर इस्तेमाल किया गया है।

## बीजेपी कितना भी झूठ फैला लें जनता सच जानती है : उद्धव

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले चर्चा में आए बिटक्वाइन विवाद पर उद्धव ठाकरे ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे बीजेपी का झूठ करार दिया है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि बीजेपी जितना भी झूठ फैला ले। जनता सब सच जानती है। इसके साथ ही उद्धव ने विनोद तावरे के वायरल हुए वीडियो पर तंज कसते हुए कहा कि बीजेपी और अजित पवार की सरकार पैसे बांटो और चुनाव जीतों की रणनीति अपना रही है। उन्होंने महाराष्ट्र की जनता से अपील की कि वे अपनी आंखें खोलकर फैसला करें।

## ये 5 करोड़ किसके सेफ से निकला बताएं पीएम : राहुल

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पीएम मोदी के हालिया बयान पर कटाक्ष करते हुए पूछा, ये 5 करोड़ किसके सेफ से निकला है? वहीं कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि महाराष्ट्र की जनता इस काम का जवाब मतदान के जरिए देगी इसके अलावा सुप्रिया श्रीनेत ने निर्वाचन आयोग पर चुप्पी साधने का आरोप लगाते हुए सवाल किया कि चुनाव प्रचार थमने के बाद तावड़े विरार क्षेत्र में क्यों मौजूद थे।

## कांग्रेस बचपने वाले वक्तव्य न दे, तथ्यों को जांचें : तावड़े

बीजेपी नेता विनोद तावड़े ने इन आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि कांग्रेस को बचपने वाले वक्तव्य देने की बजाय तथ्यों को जांचना चाहिए, उन्होंने कांग्रेस को चुनौती दी कि वे होटल का सीसीटीवी फुटेज देखें और सबूत पेश करें, बीजेपी आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने राहुल गांधी के बयानों को उड़ते तीर जैसा बताया।

# 2029 चुनाव जीतने की तैयारी शुरू कर चुके हैं मोदी : नायडू

» आंध्र प्रदेश के सीएम का दावा- देश हित में अपने सहयोगियों के साथ मिलकर काम कर रहे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ कर रहे है। मोदी सरकार 3 में चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टीडीपी की अहम भूमिका है। 2024 के चुनाव में भाजपा को अपने दम पर बहुमत नही मिल सकी। यही कारण है कि मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को टीडीपी और जदयू जैसे सहयोगियों की जरूरत है। हाल में ही चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने 2029 में होने वाले अगले आम चुनावों के लिए पहले से ही योजना बना ली है।

चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि वह (मोदी) हमेशा अगले चुनाव के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने पहले ही इसकी योजना बना ली है और देश हित में अपने सहयोगियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। वह इसी तरह मिशन मोड में काम कर रहे हैं। तेलुगु देशम पार्टी के नेता नायडू ने कहा कि उन्होंने कहा कि उनका दृष्टिकोण निर्णय लेने में केंद्र को प्रभावित करने का नहीं, बल्कि उसके साथ मिलकर काम करने का है।

फोटो : 4 पीएम

**प्रेसवार्ता** लखनऊ में भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने प्रेसवार्ता की। इस दौरान उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधा।

# लोकतंत्र में पारदर्शिता जरूरी : सचिन पायलट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में मतदान से पूर्व पकड़ी गई बड़ी धनराशि के मामले में कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने कहा कि महाराष्ट्र में इतनी बड़ी धनराशि का पकड़ा जाना यह दिखाता है कि मतदान से ठीक पहले ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं?

इससे यह संदेह होता है कि इस पैसे का इस्तेमाल सत्ताधारी पार्टी ने चुनावों को प्रभावित करने के लिए किया होगा। यह स्पष्ट होना चाहिए कि कौन-कौन इस प्रक्रिया में शामिल थे और इसे किस तरह अंजाम दिया गया। उन्होंने निर्वाचन आयोग पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसी घटनाओं के बावजूद आयोग की निष्क्रियता चिंताजनक है।

# धीरे-धीरे बढ़ रहा है उत्तर भारत में घना कोहरा

## पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी का असर, दिल्ली में प्रदूषण अब भी चरम पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों में भी दिखने लगा है। बीते दो दिनों से उत्तर भारत में घना कोहरा छाया हुआ है। आज भी दिल्ली-यूपी और हरियाणा के कई शहर कोहरे की चादर में लिपटे दिखाई दिए। कोहरे की वजह से विजिबिलिटी भी काफी कम हो गई है। इसके साथ ही तापमान में भी गिरावट आई है।**

मौसम विभाग के अनुसार बीते 24 घंटे में राजस्थान गुजरात, असम, मेघालय, सब हिमालयन पश्चिम बंगाल और सिक्किम में न्यूनतम तापमान सामान्य से दो से तीन डिग्री नीचे दर्ज किया गया। दिल्ली में सर्दी का आगमन हो चुका है और तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। मंगलवार को न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा, जो इस सीजन का सबसे कम तापमान है। हालांकि, बढ़ते प्रदूषण के कारण दिन के तापमान में थोड़ी वृद्धि हुई है। आज सुबह कई इलाकों में घना कोहरा और स्मॉग छाया रहा। दिन में आसमान साफ रहने की उम्मीद है लेकिन शाम को हल्का कोहरा और स्मॉग फिर से छा सकता है। आज दिन में दिल्ली का अधिकतम तापमान 25 डिग्री और न्यूनतम तापमान 12 डिग्री रहने की उम्मीद है। इसके साथ ही आज मौसम विभाग ने कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है।

## तापमान में दर्ज की गई गिरावट

उत्तर प्रदेश के सभी शहरों में सर्दी का आगमन हो चुका है। तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। मंगलवार को दिन का तापमान करीब तीन डिग्री सेल्सियस तक गिर गया, जिससे लोगों को सर्दी का अहसास होने लगा। आज सुबह भी आगरा, देवरिया, मेरठ में कोहरा छाया रहा। वहीं धुंध और धूल के कणों के मिलने से स्मॉग की स्थिति बन रही है। वायु गुणवत्ता सूचकांक 140 तक पहुंच गया है, जो प्रदूषण के बढ़ते स्तर को दर्शाता है। बढ़ती ठंड के साथ हवा में नमी बढ़ने से प्रदूषण और अधिक बढ़ रहा है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।